जलवायु परिवर्तन पर जन सम्मेलन

कोपनहेगन शिखर सम्मेलन की असफलता से त्रस्त होकर बोलीविया के राष्ट्राध्यक्ष एवो मोरेल्स आयमा ने घोषणा की है कि वे जलवायु परिवर्तन पर एक जन शिखर सम्मेलन का आयोजन करने जा रहे हैं। इसमें निहित संदेश यह है कि जब सरकारें असफल रही हैं, तो लोगों को ही कोई समाधान खोजकर सरकारों पर थोपना होगा।

जलवायु परिवर्तन पर प्रस्तावित वैश्विक जन सम्मेलन के आह्वान में इवो मोरेल्स ने कहा है (जनवरी 2010): जलवायु परिवर्तन और धरती मां के अधिकारों पर वैश्विक जन सम्मेलन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. जलवायु परिवर्तन के ढांचागत व तंत्रगत कारणों का विश्लेषण करना और प्रकृति से सामंजस्य के साथ समूची मानवता की खुशहाली के उपाय सुझाना।

2. धरती मां के अधिकारों के सार्वभौमिक घोषणा पत्र पर सहमति बनाना।

3. क्योटो प्रोटोकॉल के संदर्भ में नई प्रतिबद्धताओं पर और राष्ट्र संघ जलवायु परिवर्तन संधि के तहत नई परियोजनाओं पर सहमति बनाना। ये परियोजनाएं निम्नलिखित मामलों में भावी कार्रवाई का मार्गदर्शन करेंगी:

- जलवायु का ऋण
- जलवायु परिवर्तन जनित प्रवासी/शरणार्थी
- उत्सर्जन में कटौतियां
- हालात के साथ अनुकूलन
- टेक्नॉलॉजी स्थानांतरण
- वित्त
- जंगल और जलवायु परिवर्तन
- साझा दृष्टि
- देसी लोग
- अन्य

4. पीपुल्स वर्ल्ड रेफरेंडम ऑन क्लाइमेट चेंज के संगठन पर काम करना।

5. जलवायु न्याय ट्रायबूनल के गठन की योजना का विश्लेषण व विकास।

6. जीवन को जलवायु परिवर्तन से सुरक्षित करने और धरती मां के अधिकारों की रक्षा करने की रणनीतियां परिभाषित करना।

उम्मीद की जानी चाहिए कि इस पहल से लोगों व उनके प्रतिनिधियों को आगे आकर ठोस कदमों पर बातचीत करने व रणनीतियां तय करने का एक मंच मिलेगा। ***(स्रोत फीचर्स)***